Patrika (Indore), 09th September 2025, Page-12

जांच में पूछा कि स्टाफ ने क्यों नहीं दी जानकारी, आइआइटी से कराएंगे बिल्डिंग का एनालिसिस

चूहा कांड: सात दिन में आनी थी रिपोर्ट, अब तक जांच ही अधूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. एमवायएच में दो बच्चियों को चूहे के काटने व फिर उनकी मौत के मामले में जांच के लिए दो कमेटी गठित की है। दोनों कमेटियों की रिपोर्ट सोमवार को पेश नहीं हुई।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज स्तर पर डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने जांच टीम बनाई थी। सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में दो से तीन दिन लग सकते हैं। यह टीम घटना के लिए जिम्मेदार स्टाफ, पेस्ट कंट्रोल करने वाली एजाइल कंपनी, अधीक्षक की निगरानी व निरीक्षण सहित 40 बिंदुओं पर जांच कर रही है। जांच टीम में डॉ. एसबी बंसल, डॉ. शशि शंकर शर्मा, डॉ. अरविंद शुक्ल, डॉ. निर्भय मेहता, डॉ. बसंत निगवाल, नर्सिंग ऑफिसर दयावती दयाल हैं। रिपोर्ट डीन डॉ. घनघोरिया के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा आयुक्त को भेजी जानी है।

जांच कमेटी ने पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के एनआइसीयू में उस रात ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग स्टाफ, यूनिट प्रभारी, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी, वार्ड प्रभारी, विभाग प्रभारी सहित कई लोगों के बयान दर्ज किए हैं। यह भी देखा जा रहा है कि जब चूहे आ रहे थे तो किसे बताया गया। जिसे बताया गया, उसने समय पर सूचना दी या नहीं। टीम एमवायएच के भवन को लेकर भी रिपोर्ट तैयार कर रही है। इसमें चूहों के प्रवेश व उन्हें रोकने को लेकर क्या प्रयास हुए जैसे बिंदू हैं। इसके अलावा एसजीएसआइटीएस या आइआइटी से भवन का एनालिसिस कराने पर भी विचार किया जा रहा है।

सुबह दूसरे नवजात की मौत...

लगातार

चूहे क्यों नहीं मर रहे

टीम की जांच में एक पाइंट यह भी है कि एमवायएच में चूहे कहां से आ रहे हैं। जो पेस्टीसाइड उपयोग किया जा रहा है, वह किस स्तर का है। पेस्ट कंट्रोल कब-कब हुआ, इसकी भी जानकारी ली जा रही है।

राज्य स्तरीय टीम को भी देनी है रिपोर्ट

एक कमेटी राज्य स्तर पर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी के निर्देश पर बनाई गई है। कमेटी को तीन दिन में सोमवार तक जांच रिपोर्ट सौंपनी थी। इस टीम में आयुष्मान भारत के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. योगेश भरसत, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज श्रीवास्तव, डॉ. राजेश टिक्कस और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के उप निदेशक डॉ. वैभव जैन शामिल हैं। दूसरी ओर, देवास जिले की जिस बच्ची की मौत हुई थी। उसके माता-पिता मंगलवार या बुधवार को कलेक्टर से मिलेंगे। जयस ने नवजातों का डेथ ऑडिट कराने की मांग की है।